आकाशवाणी गोरखपुर
प्रादेशिक समाचार

दिनांक–26 *फरवरी* 2025 **7:20 AM**

पहले मुख्य समाचार।

- प्रयागराज महाकुंभ में महाशिवरात्रि पर अंतिम स्नान पर्व आज। महाकुंभ के प्रारंभ से अब तक संगम में आस्था की डुबकी लगाने वाले श्रद्धालुओं की संख्या हुई पैंसठ करोड़ के करीब।
- राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधान परिषद में दिया विपक्ष के सवालों का जवाब। कहा–महाकुंभ ने प्रदेश में प्रयागराज, अयोध्या, काशी, मथुरा और गोरखपुर को पंच तीर्थ के रूप में जोड़ा।
- प्रदेशभर में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जा रहा महाशिवरात्रि का पर्व। जलाभिषेक के लिए आज तड़के से ही शिवालयों पर लगीं लंबी कतारें। काशी विश्वनाथ धाम में उमड़ा श्रद्धालुओं का हुजूम।
- सीबीएसई दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए साल में दो बार बोर्ड परीक्षा कराने की बना रहा योजना। सीबीएसई की वेबसाइट पर मसौदा नीति अपलोड।

****

महाशिवरात्रि के पवित्र स्नान पर्व के साथ प्रयागराज महाकुंभ दो हजार पचीस आज अपने अंतिम पड़ाव पर है। महाशिवरात्रि पर महाकुंभ में संगम में आस्था की डुबकी लगाने का सिलसिला रात बारह बजे से ही जारी है। आज सुबह छह बजे तक प्राप्त समाचार के अनुसार एक इकतालिस लाख श्रद्धालु त्रिवेणी में डुबकी लगा चुके थे। इसके साथ ही तेरह जनवरी से प्रारंभ महाकुंभ में आकर संगम में स्नान करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या करीब पैसठ करोड़ हो चुकी है। आज महाशिवरात्रि स्नान को व्यवस्थित और सुरक्षित बनाने के लिए मेला क्षेत्र और प्रयागराज को नो–व्हीकल जोन घोषित किया गया है। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए सभी से अपने प्रवेश के सबसे पास वाले घाट पर ही स्नान करने का अनुरोध किया जा रहा है। पेश है एक रिपोर्ट.....

पिछले डेढ़ महीने से चल रहा महाकुंभ विश्व का सबसे बड़ा अध्यात्मिक आयोजन रहा है और महाशिवरात्रि के साथ ही इसका समापन हो जाएगा। महाशिवरात्रि के अवसर पर भीड़ प्रबंधन के लिए मेला क्षेत्र को नो–व्हीकल जोन घोषित कर दिया गया है महाकुंभ के डीआईजी वैभव कृष्ण ने बताया कि सभी शिवालयों और विभिन्न स्नान घाटों पर पुलिस तैनात कर दी गई है। आदर्श के साथ अभिषेक कपिल, आकाशवाणी समाचार, प्रयागराज।

प्रयागराज महाकुंभ ने आस्था, भक्ति और संस्कृति की अदभुत झलक प्रस्तुत की है।

****

प्रदेश विधानमंडल के बजट सत्र में विधान परिषद में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्यपाल के अभिभाषण पर हुई चर्चा के बाद कल विपक्षी सदस्यों के सवालों पर अपना जवाब दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जिस तरह डाक्टर भीमराव आम्बेडकर की स्मृतियों से जुड़े पंचतीर्थ स्थापित कराये उसकी तरह महाकुंभ दो हजार पचीस ने प्रदेश में प्रयागराज, अयोध्या, काशी, मथुरा–वृन्दावन और गोरखपुर को नये पंचतीर्थ के रूप में जोड़ा है। उन्होंने कहा कि इस सदी का सबसे बड़ा उत्सव महाकुंभ सबके लिए गौरव का विषय है। महाकुम्भ को लेकर विपक्ष के बयानों पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्षी दलों का स्वभाव है कि पहले हर चीज का विरोध करते हैं और फिर उसे स्वीकृति भी देते हैं।

महाकुंभ की तैयारी के साथ हमारी टीम वहां पर गई थी और हम लोग इसकी तैयारी कर रहे थे, लेकिन विपक्ष शुरू से इसका उपहास उड़ाता रहा कहा 40 करोड़ लोग आ जायेंगे क्या ये आयोजन ऐसे हो पायेगा क्या ये आयोजन को आप कर पायेंगे। हम लोग तभी कहते थे आयोजन होगा, काहे आप चिंता कर रहे विपक्षी दलों में एक चीज जरूर देखने को मिलती है कि पहले किसी चीज को उपहास उड़ाते है विरोध करते है चर्चा से भागने का प्रयास करते है और अतं उसको स्वीकृति भी देने में तत्पर होते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान विपक्ष ने जो व्यवहार किया, वह किसी भी आदर्श लोकतंत्र को स्वीकार नहीं होगा। विधान परिषद में राज्यपाल के अभिभाषण का प्रस्ताव कल पास हो गया। शून्य प्रहर में मुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी के सदस्यों के राज्य में बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं पर कार्य स्थगन के रूप में उठाये गये मुद्दे का जवाब दिया।

उधर, विधानसभा में कल शिक्षामित्रों के मुद्दे पर चर्चा के दौरान सपा विधायक की आपत्तिजनक टिप्पणी पर भाजपा विधायकों ने कड़ा विरोध जताया। शून्य प्रहर में समाजवादी पार्टी के विधायकों ने गन्ना किसानों के भुगतान का मुद्दा उठाया और सरकार के जवाब से अंसतुष्ट होकर सदन से वाक आउट किया।

****

देवाधिदेव महादेव की आराधना का महापर्व महाशिवरात्रि आज पूरे देश में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। प्रदेश भर में सभी शिवालयों में आज तड़के से ही भगवान शंकर के दर्शन पूजन करने और जलाभिषेक करने के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी हुई हैं। महाशिवरात्रि के अवसर पर काशी विश्वनाथ धाम में कल से ही श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ पड़ा है। प्रयागराज महाकुंभ के पलट प्रवाह के कारण काशी में इस बार महाशिवरात्रि पर विगत वर्षों की तुलना में श्रद्धालुओं की अत्यधिक भीड़ देखी जा रही है। आज यहां बारह से पंद्रह लाख श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है। महाशिवरात्रि पर वाराणसी के जिला और पुलिस प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और सहूलियत के लिए व्यापक तैयारियां की हैं। कई अखाड़ों के महामंडलेश्वर और बड़ी संख्या में नागा साधु भी बाबा का जलाभिषेक करने काशी पहुंचे हैं। नागा साधुओं के लिए काशी विश्वनाथ मंदिर प्रबंधन ने विशेष व्यवस्था की है। एक रिपोर्ट–

महाशिवरात्रि पर्व पर नागा साधुओं का प्रवेश गेट नंबर 4 से होगा जबकि अन्य गेट पर आम श्रद्धालु लगातार झांकी दर्शन करते रहेंगे। दोपहर 12:00 बजे से 2:00 तक भी नागा साधुओं के दर्शन करने का समय तय किया गया है। नागा साधुओं के मंदिर से निकास के बाद आम श्रद्धालुओं का दर्शन पुनः जारी हो जाएगा। मनीष सिंह, आकाशवाणी समाचार वाराणसी।

विश्वनाथधाम में आमजन के दर्शन–पूजन के अलावा सात अखाड़ों की पेशवाई भी निकलेगी। उधर, सुरक्षा की दृष्टि से श्री काशी विश्वनाथ धाम क्षेत्र को छह जोन और 18 सेक्टर में बांटा गया है। इस बीच प्रदेश सरकार के मंत्री रविन्द्र जायसवाल ने बताया है कि काशी में निकलने वाली शिव बारात अपनी तैंतालिस वर्षो की परंपरा के अनुरूप शिवरात्रि को ही निकलेगी।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों को महाशिवरात्रि पर्व की बधाई दी है। मुख्यमंत्री ने शिवरात्रि पर महाकुंभ स्नान को लेकर साधु –संतो और श्रद्धालुओं को भी शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा है कि देवों के देव महादेव सर्वमान्य रूप से पूजे जाते हैं। भारत के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित ज्योतिर्लिंग राष्ट्रीय एकता के प्रतीक हैं।

****

प्रदेश का पर्यटन एवं संस्कृति विभाग श्रीलंका, नेपाल और देश के छह राज्यों समेत दस स्थानों पर रामायण कॉन्क्लेव की श्रृंखला का आयोजन करेगा। पहला आयोजन आज प्रयागराज के श्रृंगवेरपुरधाम में होगा। प्रदेश के संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि यह कॉन्क्लेव संत और विद्वानों के समागम का अच्छा अवसर है।

****

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद–सीबीएसई दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए साल में दो बार बोर्ड परीक्षा कराने की योजना बना रहा है। सीबीएसई ने इस संबंध में एक मसौदा नीति तैयार कर अपनी वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है। शिक्षकों, अभिभावकों और विद्यार्थियों सहित तमाम हितधारकों से इस पर प्रतिक्रिया मांगी गई है। सीबीएसई के परीक्षा नियंत्रक डॉक्टर संयम भारद्वाज ने बताया कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की अध्यक्षता में शिक्षा मंत्रालय में एक बैठक आयोजित की गई। इसमें दसवीं कक्षा में वर्ष दो हजार छब्बीस से दो बार बोर्ड परीक्षाएं आयोजित करने को लेकर चर्चा की गई और इस संबंध मे मसौदा नीति को मंजूरी दी गई। यह फैसला नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में की गई सिफारिश के आधार पर लिया गया है।

****

केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मामलों के राज्य मंत्री जॉर्जकुरियन कल लखनऊ में आईसीएआर–राष्ट्रीय मछली आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो के कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री ने ब्लू इकोनॉमी को बढ़ावा देने, जैव विविधता संरक्षण सुनिश्चित करने और नई तकनीक के जरिए मछली किसानों को आगे बढ़ाने के लिए मत्स्य अनुसंधान के महत्व पर जोर दिया।

****

केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी और कमलेश पासवान ने कल गौतमबुद्ध नगर में सरस आजीविका मेले का उद्घाटन किया। इस मेले का उद्देश्य कारीगरों और शिल्पकारों को उनकी आजीविका और समावेशी विकास को बढ़ावा देने में सहायता करना है।

****